उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

पी0जी0 डिप्लोमा वास्तुशास्त्र

प्रथमसत्रम्

अवधि–एक वर्ष, सत्र–प्रथम एवं द्वितीय,
पत्र–पाँच प्रश्नपत्र प्रतिसत्र।

प्रथमपत्रम्– 80+20 अंकाः

इकाई प्रथम – वास्तुशास्त्र का संक्षिप्त परिचय
इकाई द्वितीय – वास्तु शास्त्र के भेद
इकाई तृतीय – वास्तु शास्त्र के मानक ग्रन्थों का परिचय
इकाई चतुर्थ – वास्तुशास्त्र की उपयोगिता

द्वितीयपत्रम्– 80+20 अंकाः

इकाई प्रथम – पंचमहाभूतों का परिचय, वास्तुशास्त्र में पंचमहाभूतों की उपयोगिता
इकाई द्वितीय – भूमि की गुणवत्ता
इकाई तृतीय – भूमि के दोष
इकाई चतुर्थ – भूमि का प्लवत्व

तृतीयपत्रम्– 80+20 अंकाः

इकाई प्रथम – भूखण्ड चयनविधि
इकाई द्वितीय – भूमि शोधन
इकाई तृतीय – भूमि के आकार–प्रकार
इकाई चतुर्थ – दिक् परिचय एवं साधन

चतुर्थपत्रम्– 80+20 अंकाः

इकाई प्रथम –पञ्चांगपरिचय तिथि, वार,नक्षत्र,योग,करण
इकाई द्वितीय – मुहूर्त परिचय
इकाई तृतीय – लग्न ज्ञान, सारिणी द्वारा
इकाई चतुर्थ – स्पष्ट ग्रह परिचय पञ्चांगद्वारा

पंचमपत्रम्– 80+20 अंकाः

इकाई प्रथम – गृहारम्भ में विहितमास
इकाई द्वितीय – राहुमुख पुच्छ विचार (खातविधि), भूमिशयनविचार
इकाई तृतीय – गृहारम्भ मुहूर्त
इकाई चतुर्थ – गृहप्रवेश मुहूर्त

पी0जी0 डिप्लोमा वास्तुशास्त्र
द्वितीय–सत्रम्

प्रथमपत्रम्– **80+20 अंका:**

इकाई प्रथम – वर्ग एवं काकिणी विचार
इकाई द्वितीय – भूखण्ड की लम्बाई–चौड़ाई, एवं क्षेत्रफल
इकाई तृतीय – आयादि विचार
इकाई चतुर्थ – पिण्ड साधन

द्वितीयपत्रम्– 80+20 अंका:

इकाई प्रथम – वास्तुशास्त्र में पदविन्यास
इकाई द्वितीय – शिलान्यास विधि
इकाई तृतीय – सोपान विचार
इकाई चतुर्थ – जल विधान

तृतीयपत्रम्– 80+20 अंका:

इकाई प्रथम – वास्तु एवं पर्यावरण
इकाई द्वितीय – वास्तु के अनुरूप शुभाशुभ विचार
इकाई तृतीय – वास्तु सम्मत योज्यायोज्य चित्र
इकाई चतुर्थ – वास्तु दोष निवारण एवं शान्ति

चतुर्थपत्रम्– **80+20 अंका:**

इकाई प्रथम – औद्योगिक इकाई
इकाई द्वितीय – वाणिज्यिक केन्द्र
इकाई तृतीय – शैक्षणिक संस्थान
इकाई चतुर्थ – चिकित्सालयीय वास्तु

पञ्चमपत्रम्–

लघु निबन्ध **80+20 अंका:**
मौखिक **80+20अंका:**

सहायकग्रन्थ–

बृहद्संहिता–वास्तुविद्याध्याय – वराहमिहिर
समरागंण सूत्रधार – भोजराज
बृहद्वास्तुमाला – रामनिहोरद्विवेदी
वास्तुरत्नावली –
मनुष्यालय चन्द्रिका – नीलकण्ठ
मुहूर्त चिन्तामणि – रामाचार्य
भारतीय वास्तुशास्त्र – प्रो0 शुकदेव चतुर्वेदी
वास्तुसार – प्रो0 देवीप्रसाद त्रिपाठी
भारतीय वास्तुविद्या के वैज्ञानिक आधार – डॉ0 बिहारीलाल शर्मा
वास्तुदर्शन – डॉ0 पी0वी0 ओसेफ
वास्तु प्रबोधिनी – डॉ0 विनोद शास्त्री।